अधिसूचना

नई दिल्ली, 4 जून, 2015

का. आ.1481(अ).- जबकि आयकर अधिनियम, 1961(1961 का 43) की धारा 35 क ग के स्पष्टीकरण के खंड (ख) के अंतर्गत जारी की गई भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, (राजस्व विभाग) की दिनांक 12.03.2013 की अधिसूचना सं. का. आ. 627 (अ) द्वारा केन्द्रीय सरकार ने "अनुपम मिशन ब्रह्माज्योति, योगी जी मार्ग, मोगरी गांव, जिला आनंद, गुजरात" द्वारा "प्रगनान तीर्थ- सर्वांगी शिक्षण संस्थान" की परियोजना को वित्तीय वर्ष 2014-15 को समाप्त होने वाली तीन वर्ष की अवधि के लिए 3 करोड़ रू. की कॉपर्स निधि सहित 26.62 करोड़ रू. की अनुमानित लागत पर एक पात्र परियोजना अथवा स्कीम के रूप में क्रम सं. 2 पर अधिसूचित किया था;

और जबकि उक्त परियोजना या स्कीम के तीन वर्षों से अधिक चलने की संभावना है ;

और जबकि सामाजिक और आर्थिक कल्याण की अभिवृद्धि के लिए राष्ट्रीय समिति का यह समाधान हो जाने पर कि उक्त परियोजना अथवा स्कीम उपयुक्त रूप से निष्पादित की जा रही है, इस समिति ने आयकर नियमावली, 1962 के नियम 11 ड के उप-नियम (5) के अंतर्गत उक्त परियोजना अथवा स्कीम को अगले तीन वर्षों की अवधि के लिए विनिर्दिष्ट करने की सिफारिश की है ;

इसलिए, अब, केन्द्रीय सरकार, आयकर अधिनियम, 1961(1961 का 43) की धारा 35 क ग के स्पष्टीकरण के खंड (ख) के साथ पठित उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, एतदद्वारा "अनुपम मिशन ब्रह्माज्योति, योगी जी मार्ग, मोगरी गांव, जिला आनंद, गुजरात" द्वारा चलाई जा रही "प्रगनान तीर्थ- सर्वांगी शिक्षण संस्थान" की परियोजना अथवा स्कीम को 3 करोड़ रूपये की कॉपर्स निधि सहित 26.62 करोड़ रू. की अनुमोदित लागत में कोई परिवर्तन किये बिना वित्तीय वर्ष 2015-16 से प्रारंभ होने वाले वर्ष से आगे तीन वर्षों की अवधि अर्थात, 2015-16, 2016-2017 और 2017-18 के लिए एक पात्र परियोजना अथवा स्कीम के रूप में अधिसूचित करती है।

[सं.135 /2015 /फा. सं. वी -27015/1/2015 एस ओ(एन. सी)]

मक्खन लाल मीना,उप सचिव (राष्ट्रीय समिति)